

## Parv Tithi Prakash

|             |                          |
|-------------|--------------------------|
| Folder No.  | 022246                   |
| Granth Name | Parv Tithi Prakash       |
| Author      | Jambuvijay Gani          |
| Publisher   | Shah Khubchand Panachand |
| Edition     | 1                        |
| Year        | 1937                     |
| Pages       | 272                      |

### पर्व तिथि प्रकाश

|              |                    |
|--------------|--------------------|
| फोल्डर नं    | ०२२२४६             |
| ग्रन्थ       | पर्व तिथि प्रकाश   |
| लेखक         | जंबुविजय गणि       |
| प्रकाशक      | शाह भूबचंद पानाचंद |
| आवृत्ति      | १                  |
| प्रकाशन वर्ष | १९३७               |
| पृष्ठ        | २७२                |

### मुख्य टाईटल

|   |     |
|---|-----|
| प्रस्तावना -----  | ३   |
| ग्रन्थमां मूलाकारे लीघिलां प्रमाणोनी सूची -----                           | १०  |
| मूल मुद्रित प्रतमां रडी गयेला पाठान्तरो अशुद्धिओ आदि टिप्पणोनी सूची ----- | १२  |
| अनुक्रमणिका -----   | १३  |
| गाथा-१ -----  | १   |
| गाथा-२ -----  | ३   |
| गाथा-३ -----  | ८   |
| गाथा-४ -----  | १०  |
| गाथा-५ -----  | २५  |
| गाथा-६ -----  | ८८  |
| गाथा-७ -----  | ८८  |
| गाथा-८ -----  | १०० |
| गाथा-९ -----  | १०१ |
| गाथा-१० -----   | १०२ |
| गाथा-११ -----   | १०२ |
| गाथा-१२ -----   | १०४ |
| गाथा-१३ -----   | १०६ |
| गाथा-१४ -----   | १०६ |
| गाथा-१५-१६ -----  | १०८ |
| गाथा-१७ -----   | १११ |
| गाथा-१८ -----   | १८४ |
| गाथा-१९ -----   | १८६ |

|            |     |
|------------|-----|
| ଗାଥା-୨୦-୨୧ | ୧୮୮ |
| ଗାଥା-୨୨    | ୧୯୯ |
| ଗାଥା-୨୩    | ୨୦୦ |
| ଗାଥା-୨୪-୨୫ | ୨୦୧ |
| ଗାଥା-୨୬    | ୨୦୧ |
| ଗାଥା-୨୭    | ୨୦୫ |
| ଗାଥା-୨୮-୨୯ | ୨୦୫ |
| ଗାଥା-୩୦    | ୨୧୧ |
| ଗାଥା-୩୧    | ୨୧୨ |
| ଗାଥା-୩୩    | ୨୧୯ |
| ଗାଥା-୩୪    | ୨୨୦ |
| ଗାଥା-୩୫    | ୨୨୩ |
| ଗାଥା-୩୬    | ୨୨୪ |
| ଗାଥା-୩୭    | ୨୨୫ |
| ଗାଥା-୩୮    | ୨୨୫ |
| ଗାଥା-୩୯    | ୨୨୬ |
| ଗାଥା-୪୦    | ୨୨୬ |
| ଗାଥା-୪୧    | ୨୨୭ |
| ଗାଥା-୪୨    | ୨୨୭ |
| ଗାଥା-୪୩    | ୨୨୮ |
| ଗାଥା-୪୪    | ୨୨୯ |
| ଗାଥା-୪୫    | ୨୨୯ |
| ଗାଥା-୪୬    | ୨୩୦ |